



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 721]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 21, 2009/अग्रहायण 30, 1931

No. 721]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 21, 2009/AGRAHAYANA 30, 1931

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2009

सं. 142/2009-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 915(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य और हांगकांग (जिसे इसके बाद विषयगत देश कहा गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के उप-शीर्ष 5309 के अंतर्गत आने वाले फ्लैक्स फैब्रिक (जिसे इसके बाद विषयगत माल कहा गया है) के आयात के मामले में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खण्ड 1, तारीख 17 फरवरी, 2009 में प्रकाशित अपने प्रारंभिक निष्कर्ष अधिसूचना सं. 14/8/2008-डीजीएडी, तारीख 17 फरवरी, 2009 में इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि :—

- (क) प्राधिकारी ने यह पाया कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3 प्रतिशत से अधिक है;
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात एक समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- (ग) प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित फ्लैक्स फैब्रिक की वाणिज्यिक स्थानापन्न है;
- (घ) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित है;

और संबद्ध देश में मूलतः उदागमित या वहां से निर्यात किये गए संबद्ध माल के आयातों पर अनंतिम प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी;

और, जबकि, अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 30/2009-सीमा-शुल्क, तारीख 26 मार्च, 2009 जो कि सा.का.नि. 202(अ), तारीख 26 मार्च, 2009, के द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में प्रकाशित हुई थी के द्वारा संबद्ध माल पर, अनंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाया था;

और, जबकि, अभिहित प्राधिकारी अपने अंतिम निष्कर्षों अधिसूचना सं. 14/8/2008-डीजीएडी, तारीख 1 अक्टूबर, 2009 जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खण्ड 1, तारीख 1 अक्टूबर, 2009 में प्रकाशित हुई थी, से इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि :

- (i) संबद्ध देशों के मूल से पाटित कीमतों पर आयात हुए हैं और इनसे घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (ii) संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुएं उनके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत और आवेदकों की संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमतों पर लाई गई हैं और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है;

- (iii) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट ने घरेलू उद्योग को मांग में हुई वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्रियों में वृद्धि करने से रोका है;
- (iv) भारी कीमत कटौती और पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि से लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय की दृष्टि से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;
- (v) संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि (समग्र रूप से तथा मांग में हिस्से की दृष्टि से) के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है;

और, अभिहित प्राधिकारी ने संबद्ध देश में मूलतः उद्गमित या वहां से निर्यात किये गए संबद्ध माल के आयातों पर निश्चयात्मक प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की है;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 7क की उप-धारा (1) और 5 सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाठित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण) नियम, 1995 के नियम 18 और 20 के साथ पठित उक्त धारा की उप-धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के उक्त निष्कर्षों के आधार पर अद्यालिखित सारणी के स्तंभ (4) में वर्णित देशों में उद्गमित, उक्त सारणी के स्तंभ (6) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित उत्पादकों द्वारा उत्पादित, भारत में आयात किए गए, ऐसे मालों पर, जो कि उक्त सारणी के स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित, उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के शीर्ष के अंतर्गत आते हैं, जिनका विवरण उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में दिया गया है, जब उनका निर्यात उक्त सारणी के स्तंभ (5) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित देशों से, उक्त सारणी के स्तंभ (7) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित निर्यातकों द्वारा किया जाए, उक्त सारणी के स्तंभ (8) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित राशि, जो कि उक्त सारणी के स्तंभ (10) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित करेंसी और उक्त सारणी के स्तंभ (9) की तत्स्थानी प्रविष्टि में वर्णित प्रतिमापन इकाई व्यक्त है, और उक्त आयात माल के उसी करेंसी और प्रतिमापन इकाई में व्यक्त अवतरण मूल्य के बीच अंतर के समतुल्य दर पर प्रतिपाठन शुल्क अधिरोपित करती है।

सारणी

क्रम सं	उप-शीर्ष माल का विवरण	उदगम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	करेंसी	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	चीन जनवादी गणराज्य	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	206.24	मीटर	रुपए	
2.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	कोई	206.24	मीटर	रुपए	
3.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	कोई	चीन जनवादी गणराज्य	कोई	कोई	206.24	मीटर	रुपए	
4.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	हांगकांग	हांगकांग	कोई	कोई	209.72	मीटर	रुपए	
5.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	हांगकांग	कोई	कोई	कोई	209.72	मीटर	रुपए	
6.	5309 फ्लैक्स फैब्रिक	कोई	हांगकांग	कोई	कोई	209.72	मीटर	रुपए	

2. इस अधिसूचना के अधीन अधिरोपित प्रतिपाठन शुल्क, अनन्तिम प्रतिपाठन शुल्क के तहत लागू होने की तारीख 26 मार्च, 2009 से, उससे जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष के लिए प्रभावी होगी (यदि उसका खंडन, अधिक्रांत और संशोधन न किया जाये) प्रतिपाठन शुल्क भारतीय करेंसी में सदैय होगा।

स्पष्टीकरण :— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए,—

- (क) “अवतरण मूल्य” से ऐसा निर्धारणीय मूल्य अभिप्रेत है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन निर्धारित किया गया हो और इसके अंतर्गत उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3, धारा 8ख, धारा 9 और धारा 9क के अधीन उद्यग्हीत शुल्कों को छोड़कर सभी सीमा-शुल्क आते हैं;
- (ख) प्रतिपाठन शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए लागू विनिमय दर वह दर होगी जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर जारी की गई अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई है और विनिमय दर के अवधारण के लिए सुसंगत तारीख उक्त सीमा-शुल्क अधिनियम की धारा 46 के अधीन प्रवेश पत्र के प्रस्तुत करने की तारीख होगी।

[फा. सं. 354/62/2009-टीआरयू]

प्रशान्त कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st December, 2009

No. 142/2009-CUSTOMS

G.S.R. 915 (E).—Whereas, in the matter of import of Flax Fabric (hereinafter referred to as the subject goods), falling under sub-heading 5309 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the said Customs Tariff Act), originating in, or exported from, People's Republic of China and Hong Kong (hereinafter referred to as the subject countries) and imported into India, the designated authority in its preliminary findings *vide* notification No. 14/08/2008-DGAD dated the 17th February, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 17th February, 2009, had come to the conclusion that—

- (a) the margin of dumping in respect of each of the subject country was more than two per cent and the volume of imports from each country was also more than three per cent;
- (b) the subject goods had been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- (c) the imported subject goods were commercial substitutes of the domestically produced Flax Fabric; and
- (d) the designated authority holds that it was appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product;

and had recommended imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods, originating in, or exported, from the subject country;

And whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed provisional anti-dumping duty on the subject goods *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 30/2009-Customs, dated the 26th March, 2009, published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 202(E), dated the 26th March, 2009;

And whereas, the designated authority in its final findings *vide* notification No. 14/08/2008-DGAD dated the 1st October, 2009, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 1st October, 2009, has come to the conclusion that—

- (i) Imports originating in the subject countries are taking place at dumped prices and the same have caused material injury to the domestic industry;
- (ii) Subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal value, Non Injurious Price of the domestic industry and the net sales realisation of the subject goods of the applicants, and have caused injury to the domestic industry;
- (iii) Decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from the subject countries prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand;
- (iv) Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment;
- (v) Significant increase in volume of dumped imports from the subject countries (both in absolute terms as well as in relation to the share in demand) has resulted in significant decline in market share of the domestic industry;

and has recommended the imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods originating in, or exported, from the subject country.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) read with rules 18 and 20 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid final findings of the designated authority, hereby imposes on the subject goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under the said sub-heading of the First Schedule to the said Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), originating in the country as specified in the corresponding

entry in column (4), and produced by the producer as specified in the corresponding entry in column (6), when exported from the country as specified in the corresponding entry in column (5), by the exporter as specified in the corresponding entry in column (7), and imported into India, an anti-dumping duty at a rate which is equivalent to difference between the amount mentioned in the corresponding entry in column (8), in the currency as specified in the corresponding entry in column (10) and as per unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (9), of the said Table and the landed value of imported goods in like currency as per like unit of measurement.

TABLE

Sl. No.	Sub- heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2	5309	Flax fabric	People's Republic of China	People's Republic of China	Any	Any	206.24	Meter	Rupee
3	5309	Flax fabric	People's Republic of China	Any	Any	Any	206.24	Meter	Rupee
4	5309	Flax fabric	Any	People's Republic of China	Any	Any	206.24	Meter	Rupee
5	5309	Flax fabric	Hong Kong	Hong Kong	Any	Any	209.72	Meter	Rupee
6	5309	Flax fabric	Hong Kong	Any	Any	Any	209.72	Meter	Rupee
7	5309	Flax fabric	Any	Hong Kong	Any	Any	209.72	Meter	Rupee

2. The anti-dumping duty imposed shall be levied for a period of five years (unless revoked, superseded or amended earlier) from the date of imposition of the provisional anti-dumping duty, that is, 26th March, 2009 and shall be payable in Indian currency.

Explanation:—For the purposes of this notification,—

- (a) “landed value” means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 8B, 9 and 9A of the said Customs Tariff Act, 1975;
- (b) rate of exchange applicable for the purposes of calculation of anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers conferred by section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and the relevant date for determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. 354/62/2009 - TRU]

PRASHANT KUMAR, Under Secy.